नई दिल्ली, बुधवार, 03 जनवरी से 09 जनवरी 2024

Website: www.rajneetiktarkas.in

@TarkasDigital @TarkasDigital @TarkasDigital @RajneetikTarkas

RNI.NO. DELHIN/2016/70363

राजनीतिक तरकस

देश का सबसे तेज साप्ताहिक

वर्ष-02 | अंक-15 | मूल्य -5 रु। | पृष्ठ-08

राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार

राम मंदिर के लिए हुआ मूर्ति का चयन 22 को होगी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

अरुण योगिराज ने बनाई है रामलला की मूर्ति

• नई दिल्ली, एजेंसी।

अयोध्या के राम मंदिर के लिए रामलला की तीन में से एक मूर्ति का चयन कर लिया गया है। इस मूर्ति को देश के मशहूर मूर्तिकार अरुण योगीराज ने बनाया है।

इस बारे में बीजेपी के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने सोमवार को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य के प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगिराज ने रामलला की मूर्ति बनाई है। जो अयोध्या के भव्य राम मंदिर में स्थापित की जाएगी। बता दें कि अयोध्या के राम मंदिर में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा होगी। जिसमें मुख्य यजमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होंगे। जो राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे।

येदियुरप्पा ने जताई खुशी

अरुण योगीराज की मूर्ति का राम मंदिर के लिए चयन होने पर बीएस येदियुरप्पा ने खुशी जताई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मैसुरु के मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा बनाई गई भगवान राम की मूर्ति का अयोध्या के भव्य श्रीराम मंदिर में स्थापना के चयन किया गया है। इससे राज्य के सभी राम भक्तों का गौरव और खुशी दोगुनी हो गई है। शिल्पी योगिराज अरुण को हार्दिक बधाई।"

रामलला की मूर्ति के लिए मंगाए गए थे दर्जनभर पत्थर

बता दें कि राम मंदिर में रामलला की अचल मूर्ति के लिए 12 पत्थर मंगवाए गए थे। ये पत्थर नेपाल की गंडकी नदी के अलावा कर्नाटक, राजस्थान और ओडिशा से आए थे। उसके बाद इन पत्थरों की जांच परख की गई। जिसमें राजस्थान और कर्नाटक के पत्थर ही मूर्ति निर्माण के लिए बेहतर माने गए। इसके बाद इनपर रामलला की प्रतिमा उकेगी गई। बता दें कि कर्नाटक की श्याम शिला और राजस्थान के मकराना की संगमरमर शिला को मूर्ति निर्माण के लिए चुना गया था। क्योंकि राजस्थान के मकराना की शिला बहुत कठोर होती है जो नक्काशी के लिए सर्वोत्तम मानी जाती है। इसके अलावा इसकी चमक सदियों तक बनी रहती है। जबकि कर्नाटक की श्याम शिला पर नक्काशी आसान होती है ये शिलाएं जलरोधी और लंबे समय तक चलने वाली होती हैं।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भी दी जानकारी

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भी राम मंदिर के लिए रामलला की मूर्ति के चयन की एक्स के माध्यम से जानकारी दी। उन्होंने एक तस्वीर शेयर करते हुए इस बात की खुशी जताई कि कर्नाटक के प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज की मूर्ति को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए चुना गया है। केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर लिखा, रजहां राम हैं, वहां हनुमान हैं। अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के लिए मूर्ति का चयन हो गया है। हमारे देश के सुप्रसिद्ध मूर्तिकार, हमारे गौरव अरुण योगीराज के द्वारा बनाई गई भगवान राम की मूर्ति अयोध्या में स्थापित की जाएगी।

देश के सबसे ज्यादा डिमांड वाले मूर्तिकाल हैं अरुण

अरुण योगिराज द्वारा तैयार की गई कई विशेष मूर्तियां देशभर में स्थापित हैं। इसी के चलते अरुण योगिराज की देश के शिल्पकारों में सबसे ज्यादा मांग है। दिल्ली में इंडिया गेट पर लगी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 30 फीट की मूर्ति को भी शिल्पकार अरुण योगिराज ने ही तराशा है। बता दें कि पीएम मोदी की इच्छा थी कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती से पहले उनके सम्मान में इंडिया गेट पर एक मूर्ति की स्थापना की जाए।

कौन हैं अरुण योगिराज ?

जिन्होंने राम मंदिर के लिए बनाई है रामलला की मूर्ति

• नई दिल्ली, एजेंसी।

अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की तारीख जैसे-जैसे तैयारियां भी जोरों पर हैं। राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की जिस मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। उस मूर्ति का चयन कर लिया गया है। मूर्ति को कर्नाटक के मूर्तिकाल अरुण योगिराज ने आकार दिया है। राम मंदिर में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त है।

प्राण प्रतिष्ठा के लिए हजारों संतों और नेताओं को निमंत्रण भेजा गया है। पीएम मोदी मुख्य यजमान के तौर पर रा मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए मौजूद होंगे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। ऐसे में बहुत से लोग ये जानने को उत्सुक हैं कि आखिर अरुण योगिराज कौन हैं। जिन्होंने रामलला की मूर्ति को आकार दिया है। जिस मूर्ति का दुनियाभर के रामभक्तों को इंतजार है। रामलला की मूर्ति को आकार देने वाले अरुण योगिराज कर्नाटक में मैसूर के रहने वाले हैं। उन्होंने ही रामलला की 51 इंच की मूर्ति को आकार दिया है। अरुण योगिराज मैसूर के प्रसिद्ध मूर्तिकारों की पारिवारिक पृष्ठभूमि से आते हैं। वह अपने परिवार के पांचवीं पीढ़ी के मूर्तिकार हैं। यही नहीं अरुण योगिराज वर्तमान में भारत के सबसे अधिक मांग वाले मूर्तिकार हैं। जिन्हें पीएम मोदी भी काफी पसंद करते हैं। 37 वर्षीय अरुण योगिराज मैसूरु महल के शिल्पकारों के परिवार से हैं। अरुण के पिता ने गायत्री और भुवनेश्वरी मंदिर के लिए भी काम किया है। अरुण योगिराज ने मैसूर यूनिवर्सिटी से एमबीए की डिग्री हासिल की है। पीएम मोदी भी कई मौकों पर उनकी सराहना कर चुके हैं।

साल के पहले दिन इसरो ने रचा इतिहास, लॉन्च किया एक्सपो सैटेलाइट

• नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो आज अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक और इतिहास रचने जा रहा है। दरअसल, इसरो सोमवार (1 जनवरी 2024) को एक्सपोसैट को लॉन्च करेगा। इसरो का ये सैटेलाइट ब्लैक होल्स के राज जानने की कोशिश करेगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के पहले एक्स-रे पोलरीमीटर उपग्रह यानी एक्सपोसैट को सुबह 9.10 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया जाएगा। इस सैटेलाइट की लॉन्चिंग रॉकेट पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल सी58 द्वारा की जाएगी। जो इस सैटेलाइट को महज 21 मिनट में अंतरिक्ष में 650 किमी ऊंचाई पर पहुंचा देगा। बता दें कि पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल सी58 का ये 60वां मिशन है। इसरो एक्सपोसैट के साथ साथ 10 अन्य उपग्रहों को भी पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करेगा। इसरो का ये एक्सपोसैट अगले पांच साल तक अंतरिक्ष में ब्लैक हॉल्स के राज जानने की कोशिश करेगा। यानी एक्सपोसैट 2028 तक काम करेगा। एक्सपोसैट के प्रक्षेपण के लिए 44.4 मीटर ऊंचा पीएसएलवी-डीएल रॉकेट बनाया गया है।

क्यों खास है एक्सपोसैट?

इसरो के मुताबिक, एक्सपोसैट उपग्रह का लक्ष्य सुदूर अंतरिक्ष से आने वाली गहन एक्स-रे का पोलराइजेशन यानी ध्रुवीकरण के बारे में जानकारी इकट्ठा करना है। जिसमें वह ये जानने की कोशिश करेगा ये किस आकाशीय पिंड की से आ रही हैं। ये संरचनाएं ब्लैक होल, न्यूट्रॉन तारे, आकाशगंगा के केंद्र में मौजूद नाभिक जैसी महत्वपूर्ण चीजों को समझने में मदद करेंगी। जो आकाशीय पिंडों के आकार और विकिरण बनाने की प्रक्रिया को समझाने में मददगार साबित होंगी।

एक्सपोसैट लगाए गए दो उपकरण

इसरो ने एक्सपोसैट में दो उपकरण लगाए हैं। जिसमें पहला पोलरीमीटर इंस्ट्रूमेंट इन एक्सरे यानी पॉलिक्स हैं जिसे रमन शोध संस्थान द्वारा विकसित किया गया है। वहीं दूसरा उपकरण एक्सरे स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड टाइमिंग यानी एक्सपेक्ट है जिसे यूआर राव उपग्रह केंद्र बेंगलूरू द्वारा बनाया गया है।

एक्सपोसैट के साथ अंतरिक्ष में स्थापित होंगे ये 10 उपग्रह

इसरो एक्सपोसैट के साथ-साथ जिन 10 अन्य उपग्रहों को आज (सोमवार) को अंतरिक्ष में स्थापित करेगा, उनमें टेक मी 2 स्पेस कंपनी द्वारा बनाया गया रेडिएशन शील्डिंग एक्सपेरिमेंट मॉड्यूल, छइर महिला तकनीकी संस्थान द्वारा बनाया गया उपग्रह, केजे सोमैया तकनीकी संस्थान द्वारा बनाया गया रेडियो उपग्रह बिलीफसैट भी शामिल है। जिसे शौकिया तौर पर बनाया गया है।

संपादकीय

नए वर्ष 2024 के प्रथम दिन ही अनेक राज्यों की जनता का हाल बेहाल

देश दुनियां में भले ही लोग नए वर्ष के पहले दिन खुशियों का जश्न मना रहे हैं पार्टियों कर रहे हैं पिकनिक मना रहे हैं, तो कई लोग वर्ष 2024 के प्रथम दिन ईश्वरअल्लाह की ओर मंदिरों मस्जिदों में जाकर प्रार्थना फरियाद कर रहे हैं के हमारे पूरे वर्ष खुशियों की बागबाहर में भीग रहे दुखों का पल पूरे वर्ष कभी नहीं आए वही एक तबका ऐसा भी है जिनका नए वर्ष का पहला दिन ही विरोध प्रदर्शन और चक्का जाम में से शुरू हुआ और देखते ही देखते यह सिलसिला, आगे की तरह पूरे देश में फैल गया और करीब आठ राज्यों में यह हवा फैल गई और ट्रांसपोर्ट ऑटो बस इत्यादि सभी ट्रांसपोर्ट के साधन चक्का जाम शुरू हो गया जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना या वर्ष के प्रथम दिन ही करना पड़ा जबकि उनका कुछ भी कसूर नहीं है, मामले को समझने की करें तो कुछ दिन पूर्व ही नए तीन आपराधिक कानून का दोनों सदनो में पारित कर लिए गए थे जिसे माननीय राष्ट्रपति महोदय ने 31 दिसंबर 2023 को हस्ताक्षर कर कानून बनने का दर्जा प्रदान किया। बस फिर क्या था! उनमें से एक कानून भारतीय न्याय संहिता 2023 की एक धारा 104(2)कानून को पूरी प्रक्रिया के साथ हर स्टेप को फॉलो करके बनाया गया है, जो यह आगुर्मेंट करना कि इस कानून को बनाते समय स्टेट होल्डर से सुझाव नहीं लिए गए थे, यह ठीक नहीं है, क्योंकि बाकायता अधिसूचना जारी कर सभी दर्जे के लोगों से सुझाव मांगे जाते हैं फिर विधेयकों को बनाया जाता है। चूंकि नए साल 2024 के प्रथम दिन ही अनेक राज्यों की जनता का हाल बेहाल हुआ इसलिए आज हम मीडिया यह उपलब्ध है जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 104 (2)हिट एंड रन पर 8 राज्यों बवाल ट्रांसपोर्ट की हड़ताल। भारतीय न्याय संहिता कानून 2023 की धारा 104(2) हिट एंड रन को समझने की करें तो, ऐसे मामले जिनमें गाड़ी की टक्कर के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो जाता है, उन मामलों को 'हिट एंड रन' केस माना जाता है। हिट एंड रन के मामलों में कई बार घायल शख्स को अगर समय रहते अस्पताल पहुंचाने या प्राथमिक इलाज मिलनेपर बचाया भी जा सकता है। पुराने कानून के मुताबिक हिट एंड रन केस में दो साल की सजा का प्रावधान था और जमानत भी मिल जाती थी। अब नया नियम कहता है कि अगर सड़क दुर्घटना के बाद गाड़ी चालक पुलिस को टक्कर की सूचना दिए बिना मौके से फरार होता है तो उसे 10 साल की जेल और जुमार्ना देना पड़ेगा। कई राज्यों में ट्रक ड्राइवर इसका विरोध कर रहे हैं। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार समेत कई राज्यों में ट्रक ड्राइवरों ने हड़ताल और चक्काजाम कर दिया है। न सिर्फ ट्रक ड्राइवर बल्कि बस, टैक्सी और ऑटो चालक भी इसका विरोध कर रहे हैं। नए नियम निजी वाहन चालकों पर भी समान रूप से लागू होंगे। उनका कहना है कि नए कानून के प्रावधान कुछ ज्यादा ही सख्त हैं। इन्हें नरम किया जाए। आंकड़ों पर नजर डालें तो नए कानून की सख्ती का कारण समझ आता है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि हिट एंड रन के मामलों में हर साल 50 हजार लोग जान गंवाते हैं। विरोध करने वाले ड्राइवरों का तर्क है किटक्कर के बाद अगर वे भागते हैं तो उन्हें नए कानून के तहत सख्त सजा मिलेगा और अगर वे रुकते हैं तो मौके पर मौजूद भीड़ उन पर हमला कर सकती है। अक्सर सड़क दुर्घटना के मामले में मौके पर मौजूद भीड़ उग्र हो जाती है और गाड़ी चालक पर हमला कर देती है।

माल-ए मुफ्त दिल-ए बेरहम

कुछ महानुभाव इस पौष के महीने में प्रातः काल की बेला में घर के सामने सड़क पर भरपूर छिड़काव करते हैं। शरद ऋतु में जहां दिल्ली कड़कड़ाती ठंड में दुबकी सिमटी होती है वहां प्रतिदिन भोर में घर के सामने की कंक्रीट,सीमेंट की सड़क को पीने योग्य शुद्ध जल से मात्र छिड़काव नहीं अपितु तरबतर कर देना कौन सा टोटका है जी?

संजय स्वामी
प्रवक्ता राजनीतिक विज्ञान संयोजक
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास दिल्ली

कहावते यूं ही नहीं बनी, अनेक लोगों ने अपने पुरुषार्थ से चरितार्थ की हैं। पीढ़ियों से अनेकानेक भद्रजन उन्हें आज भी संजोए हुए हैं और अपने निश दिन के क्रियाकलापों में अनवरत सम्मिलित किए हुए हैं।

मनुष्य तो पैदायसी ही समझदार है। आंकड़ों में साक्षरता की ऊंची दर पा देश विकास के शिखर को छूने को सागर की लहरों सम मचल रहा है। असंख्य इंडियंस लिखना पढ़ना सीख गए। कहने को बहुत शिक्षित, ज्ञानी हो गए। कुछ प्रमाण पत्र, उपाधियां प्राप्त कर ली। परंतु सामाजिक चेतना कितनी आई, पर्यावरण, प्रकृति के प्रति दृष्टि अर्थात हमारे प्रज्ञा चक्षु कितने खुले? विचारणीय है।

सरकारें मुफ्त की घोषणाएं करती हैं। राजनीतिक दलों के शिखर पुरुषों द्वारा चुनाव के समय तो उन्माद के अतिरेक में रेवड़ियों की अतिवृष्टि सत्तापक्ष की पाचन क्रिया को प्रभावित कर अगले पांच वर्ष के लिए बदहजमी कर देती है। दिल्ली जैसे महानगर में प्रत्येक परिवार को प्रति माह 20000 लीटर मुफ्त शुद्ध जल उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत विश्व में अर्थव्यवस्था में पांचवें पायदान पर पहुंच गया है और 80 करोड लोगों को मुफ्त राशन बांटा जा रहा है। किसान अन्नदाता है भारतीय कृषक अपनी उपज से दुनिया में भारत की जीडीपी को बढ़ा रहा है। फिर भी 10 करोड़ किसानों को ?6000 प्रति वर्ष सरकार सहायता राशि या सम्मान निधि के रूप में दे रही है। विपक्षी दल चुनाव में विजयश्री के लिए जनता जनार्दन को रिझाने हेतु फ्री बिजली, पानी, सिलेंडर, लैपटॉप, मकान बांट रहे हैं और किसानों, मजदूरों को सम्मान निधि बढ़ाने की घोषणाएं कर रहे हैं। घोषणाओं में विरोधाभास प्रत्यक्ष दिखाई देता है। देश तरक्की कर रहा है यह मात्र एक पक्षीय आंकड़े हैं या हम विश्लेषण करेंगे कि निर्धनता के पैमाने पर विश्व में भारत कौनसे पायदान पर खड़ा है? यदि हम सच में संपन्न, विकसित राष्ट्र की श्रेणी में है तो फिर मुफ्त की घोषणाएं क्यों और यदि हम निर्धन, विपन्न की श्रेणी में है तो फिर बिना किसी मापदंड के सभी के लिए मुफ्त की रेवड़ियां क्यों?

ताज्जुब यह है कि जो सरकार धन-धान्य का एक दाना भी नहीं उगाती, वह मुफ्त में करोड़ों टन अनाज बांट रही है। जो सरकार 1 लीटर पानी भी नहीं बन सकती वह अरबों गैलन पानी बर्बाद करने के लिए मुफ्त उपलब्ध करवा रही है। प्रकृति का कितना दोहन हो रहा है इसका कोई आकलन या इन सरकारों से हिसाब किताब लेने वाला कोई नहीं।

माले मुफ्त-परिणाम यह है कि 20000 लीटर एक कनेक्शन पर फ्री पानी मिल रहा है। कनेक्शन भी मुफ्त में मिल रहा है तो एक घर में एक क्या चार कनेक्शन ले लो और फिर मलियागिरी की भीलनी सम उस शुद्ध जल का दुरुपयोग दिल्ली की सर्वश्रेष्ठ जनता कर रही है। कुछ महानुभाव इस पौष के महीने में प्रातः काल की बेला में घर के सामने सड़क पर भरपूर छिड़काव करते हैं। शरद ऋतु में जहां दिल्ली कड़कड़ाती ठंड में दुबकी सिमटी होती है वहां प्रतिदिन भोर में घर के सामने की कंक्रीट,सीमेंट की सड़क को पीने योग्य शुद्ध जल से मात्र छिड़काव नहीं अपितु तरबतर कर देना कौन सा टोटका है जी? भले आदमी कोई सफाई भी नहीं करते बस पड़ोसियों को परेशान करना, आने जाने वाले राहियों को अपनी स्टाइल दिखाना, अपने महल तथा नवाबी शान से ईर्ष्या करने के लिए प्रेरित करना भर लगता है। एक और जहां इसी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सैकड़ो कॉलोनियों में लाखों लोग पीने के पानी तक के लिए तकलीफ में है वहां कुछ रईस पानी को बेपनाह बहा रहे हैं। वैसे इसके लिए मात्र वे दोषी नहीं, अपितु सरकार और नौकरशाहों की बेवकूफी भरी नीतियां भी हैं। निश्चित रूप से शुद्ध जल, शुद्ध वायु, शुद्ध भोजन नागरिकों को उपलब्ध होना चाहिए। यथा संभव निशुल्क अथवा न्यूनतम राशि पर उपलब्ध होना चाहिए परंतु किन के लिए ? इसका भी सम्यक विचार-मंथन होना चाहिए। उदारमना लोक कल्याणकारी सरकार को जब बहुत कुछ मुफ्त बांटना है तो पानी के साथ मात्र 70-80 रुपए मूल्य की घंटी (वॉटर अलार्म) भी कनेक्शन के साथ प्रत्येक घर को देना चाहिए। जिससे आलसियों को कम से कम टंकी भरने पर स्विच बंद करने की चेतावनी तो मिल जाए अन्यथा सर्दी के मौसम में अनेक महापुरुष या विदुषियां पानी की मोटर का स्विच ऑन करके पुनः रजाई में जा सपनों में खो जाते हैं अथवा मोबाइल के व्हाट्सएप के संदेशों में व्यस्त हो जाते हैं और आज्ञाकारी मोटर अनवरत अपना काम करती रहती है अर्थात लापरवाही से हजारों लीटर पानी फिजूल बहता रहता है। आशा करते हैं इस नए कैलेंडर वर्ष 2024 में कुछ संवेदनशील जन जल के सदुपयोग के प्रति सचेत होंगे। अनावश्यक जल को व्यर्थ बहाने वाले पड़ोसियों को जागरूक करने का प्रयास करेंगे। निश्चित रूप से प्रकृति ने हमें भरपूर संपदा दी है परंतु उपयोग एवं दुरुपयोग का विवेक समझने का सम्यक ज्ञान, चेतना भी होनी चाहिए। प्रकृति प्रदत्त संसाधन केवल मात्र हमारे उपभोग लिए नहीं है। अपितु सभी जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों के लिए भी हैं, आने वाली संतति के लिए भी है। अतः प्रकृतिप्रद संसाधन यथा नदियां, झीलें, पोखर, सागर, महासागर मानवकृत कचरे, प्रदूषण से मुक्त शुद्ध, सुरक्षित रहें यह जिम्मेदारी हम सभी की है। सदैव स्मरण रखें - 'जल हम बना नहीं सकते लेकिन बचा सकते हैं।

इस नए कैलेंडर वर्ष 2024 में कुछ संवेदनशील जन जल के सदुपयोग के प्रति सचेत होंगे।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक जितेंद्र तिवारी द्वारा इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी–18/19/20, सी ब्लॉक, सेक्टर 59, नोएडा, उ.प्र.–201301 से मुद्रति तथा ई–632/7 सी संगम विहार साउथ दिल्ली–110080 से प्रकाशित।
प्रकाशित लेखों से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा।
प्रधान संपादक :– जितेंद्र तिवारी
प्रबंध संपादक :– राजेश तिवारी
RNI.NO. DELHIN/2016/70363
Email:tarkasnews@gmail.com
Mob:- 9990170069
Website: www.rajneetiktarkas.in

लोस चुनाव से लेकर 8 राज्यों के रण तक, यह है 2024 का चुनावी कैलेंडर

• नई दिल्ली, एजेंसी।

वर्ष 2023 अपनी खट्टी मीठी यादों के साथ विदा हो चुका है और 2024 का स्वागत सभी ने अपने-अपने अंदाज में कर लिया है। नए साल के लिए हर किसी के अपने लक्ष्य और उम्मीदें हैं। फिर चाहे वो नौकरी पेशा हों या फिर कारोबारी हों। हर क्षेत्र के लोगों के लिए नए साल को लेकर बड़े टारगेट सेट हैं। इसी कड़ी में राजनीतिज्ञों के लिए भी ये साल काफी अहम माना जा रहा है। क्योंकि इस वर्ष चुनावों का महाकुंभ जो सजने वाला है। जी हां वर्ष 2024 में ना सिर्फ लोकसभा चुनाव होना है बल्कि 8 राज्यों के लिए विधानसभा चुनाव भी होंगे। यानी राजनीतिक दलों और दिग्गज नेताओं के लिए ये वर्ष किसी परीक्षा से कम नहीं है। उनके लिए साल 2024 में कई बड़े बदलाव और जीत-हार के साथ भविष्य का दशा और दिशा भी तय होना है। आइए डालते हैं 2024 के चुनावी कैलेंडर पर एक नजर।

लोकसभा चुनाव 2024

वर्ष 2024 को सबसे बड़ा चुनाव लोकसभा का होगा। एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी इस रणभेरी में जीत के साथ हैट्रिक लगाने के मूड में दिखाई दे रही है। वहीं क्ठउक्क्अ गठबंधन के जरिए विरोधी दल भी सत्ताधारी दल को रोकने के लिए एकजुट हो रहे हैं। हालांकि अब तक प्रधानमंत्री के चेहरे को लेकर कोई नतीजा सामने नहीं आया है। बीजेपी नेतृत्व वाला एनडीए बीते विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज विजयी रथ पर सवार है। लेकिन इंडिया गठबंधन में ना तो पीएम फेस और ना ही सीट शेयरिंग को लेकर सहमति नजर आ रही है। मतभेदों से उबरना जहां विरोधियों के लिए अहम रणनीति होगा वहीं अपने उलब्धियों के साथ जनता के बीच भरोसे और बढ़ाना बीजेपी नीत वाले एनडीए के भी बड़ा चैलेंज होना है। इस वर्ष मार्च में लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान चुनाव आयोग कर सकता है। अप्रैल में चुनाव और मई में नतीजे सामने आ सकते हैं।

लोकसभा के साथ ही होंगे 4 राज्यों में विधानसभा चुनाव

एक तरफ लोकसभा चुनाव के जरिए बीजेपी की हैट्रिक चांस की बारी है तो वहीं दूसरी तरफ चार राज्यों के विधानसभा चुनाव भी रणभेरी इसी वर्ष बजना है। इनमें अरुणाचल प्रदेश (60 सीट), सिक्किम (32 सीट), ओडिशा (147 सीट) और आंध्र प्रदेश (175 सीट) प्रमुख रूप से शामिल हैं। अरुणाचल प्रदेश में बीजेपी नेतृत्व वाली सरकार है, जबकि आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी की रफसरकार है। ओडिशा में नवीन पटनायक की सरकार है तो सिक्किम में क्रांतिकारी मोर्चा यानी एसकेएम के प्रेम सिंह तमांग की सरकार है।

जम्मू-कश्मीर में होना है चुनाव

अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, सिक्किम, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के अलावा इस वर्ष जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होना है। दरअसल धारा 370 हटाए जाने के बाद से ही केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद यहां पर पहली बार विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं। देश की सर्वोच्च अदालत ने 370 से जुड़े मामलों पर अहम फैसला सुनाते हुए चुनाव कराए जाने का आदेश भी दिया है। यहां पर सीटों का परिसीमन भी हो चुका है। यही नहीं मोदी सरकार भी लगातार जल्द चुनाव कराए जाने की बात कह रही है। ऐसे में उम्मीद है जम्मू-कश्मीर में मौसम को देखते हुए सितंबर अक्टूबर के महीने में विधानसभा चुनाव संभव है। इस तरह जम्मू-कश्मीर को लेकर इस वर्ष 8 राज्यों में विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव होना है। इसके अलावा कुछ उपचुनाव भी शामिल हैं। जबकि राज्यसभा की कुछ सीटों के लिए भी जनवरी में चुनाव होना है।

इन राज्यों में भी साल के अंत में विधानसभा चुनाव

लोकसभा और चार अन्य राज्यों के विधानसभा चुनाव के अलावा साल के अंतिम पड़ाव में भी चार राज्यों में चुनाव होना है। इनमें हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड प्रमुख रूप से शामिल हैं।

हरियाणा और पश्चिम भारत के राज्य महाराष्ट्र का चुनाव जहां अक्टूबर में संभावित है वहीं झारखंड में नवंबर में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं।

पीएम मोदी ने मांगा जनता का फीडबैक, कहा- 'नमो' ऐप पर 10 वर्ष के कार्यकाल पर राय दें

• नई दिल्ली, एजेंसी।

पीएम मोदी जनता से बीते 10 सालों के अपने कार्यकाल पर जनता से राय मांगी है। उन्होंने अलग-अलग सेक्टरों में हुई देश की प्रगति को लेकर जनता से फीडबैक मांगा है। पीएम ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस पोस्ट को शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा है कि बीते दस सालों में भारत ने जिन क्षेत्रों में प्रगति की है, उसके बारे में अपनी राय रखें। देश में जल्द लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में चुनावी सरगर्मियां तेज हो चुकी हैं। एक ओर विपक्षी दल भाजपा को हराने के लिए एकजुट हुए हैं, वहीं, इस चुनाव में भाजपा हैट्रिक मारने की ओर है। इसी बीच, जनता के मन का हाल जानने के लिए एक सर्वे आरंभ किया गया। इसमें पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अपने बीते दस साल के कार्यकाल में विभिन्न क्षेत्रों में भारत द्वारा हासिल की गई प्रगति पर लोगों की प्रतिक्रिया मांगी है।

नमो ऐप पर सर्वे जारी

लोकसभा चुनाव में कुछ समय शेष रह गया है। इस बीच पीएम मोदी ने 'नमो' ऐप पर एक सर्वे आरंभ किया था। बीते माह शुरू हुए इस सर्वे में उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर जनता का मूड जानना चाहा। इसमें उनकी सरकार और सांसदों के प्रदर्शन के बारे में लोगों की प्रतिक्रिया शामिल हैं।

लोग अपनी प्रतिक्रिया दे सकते हैं

इस सर्वे का नाम 'जन मन सर्वेक्षण' है। इसमें नेतृत्व के विभिन्न पहलुओं पर लोग अपनी प्रतिक्रिया दे सकते हैं। इसमें केंद्रीय स्तर के विकास के साथ निर्वाचन क्षेत्रों से जुड़ीं प्रतिक्रिया को शामिल किया गया है।

एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने ये कहा-

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा,

झांकी विवाद : बोले सीएम भगवंत मान

पंजाब के शहीदों के बारे में किसी से एनओसी की जरूरत नहीं

• चंडीगढ़, एजेंसी।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रविवार को स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य सरकार केंद्र सरकार की 'नामंजूर श्रेणी' में अपनी झांकियां नहीं भेजेगी क्योंकि देश के शहीदों के बारे भाजपा से ठडउ लेने की जरूरत नहीं है। आज यहां जारी बयान में सीएम ने कहा कि शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरू, शहीद सुखदेव, लाला लाजपत राय, शहीद उधम सिंह, शहीद करतार सिंह सराभा, माई भागो, गदरी बाबो समेत महान शहीदों को रद्द की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गणतंत्र दिवस की परेड में

सीएम भगवंत मान ने कहा- भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव और लाला लाजपत राय हमारे नायक है, उनको 'रद्द हुई झांकियों वाली श्रेणी' के साथ नहीं जोड़ा जा सकता

पंजाब की झांकी को शामिल न करके इन नायकों के महान योगदान और बलिदान को कम करने कोशिश कर रही है। सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार ने 30 दिसंबर को एक पत्र लिखकर राज्य सरकार को कहा कि

गणतंत्र दिवस की परेड के लिए राज्य के साथ किए एम.ओ.यू. के क्लॉज-8 अनुसार राज्य हो या यू.टी. जिसका गणतंत्र दिवस की परेड के लिए चुनाव नहीं होता, उस राज्य या यू.टी. को 23-31 जनवरी के दौरान नई दिल्ली के लाल किले में होने वाले 'भारत पर्व' के दौरान झांकी दिखाने का मौका दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पर्व सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के मशहूर पकवानों, रिवायतों, वस्तुओं, दस्तकारी और त्योहारों पर निर्भर है। सीएम ने कहा कि 'भारत पर्व' के बाद राज्य या यू.टी.की झांकी उनकी मर्जी अनुसार संबंधित राज्य या यू.टी. के समागमों में प्रदर्शित की जा सकती है। उट भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य अपनी झांकी नहीं भेजेगा क्योंकि देश के शहीदों को किसी से एन.ओ.सी. लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि पंजाब अपने देशभक्तों और शहीदों का सत्कार करना अच्छी तरह जानता है।

क्या है नया 'हिट एंड रन' कानून जिसका हो रहा विरोध, पुराने से कैसे है अलग

- देशभर के 10 से ज्यादा राज्यों में हो रहा हिंट एंड रन कानून का विरोध
- नए हिट एंड रन कानून 10 साल की सजा और 7 लाख जुर्माने का प्रावधान
- देशभर में 95 लाख ट्रक, जबकि 80 लाख से ज्यादा ट्रक ड्राइवर हैं

• नई दिल्ली, एजेंसी।

देशभर के कई इलाकों में इन दिनों सर्दी से ज्यादा चर्चा हिट एंड रन कानून की हो रही है। क्योंकि इस कानून के विरोध में देशभर के 10 से ज्यादा राज्यों में ट्रक ड्राइवरों ने हड़ताल जो कर दी है। इन हड़ताल की वजह से पेट्रोल पंपों पर वाहन चालकों की लंबी कतार लग गई है। साल की शुरूआत के साथ ही लोगों को सबसे बड़ी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। ये मुसीबत है पेट्रोल की। जी हां पेट्रोल और डीजल वाहन चालकों को पेट्रोल पंपों पर लंबी कतार लगाना पड़ रही है। यही नहीं इसके बाद भी कई पेट्रोल पंपों से लोगों को बैरंग यानी बिना तेल लिए ही लौटना पड़ रहा है। कई शहरों में तो पेट्रोल पंप पूरी तरह खाली हो चुके हैं। उनके पास आगे देने के लिए पेट्रोल-डीजल समाप्त हो चुका है। हड़ताल इसी तरह जारी रही आने वाले दिनों में इसके काफी दुष्परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

क्या है नया हिट एंड रन कानून?

हिट एंड रन कानून में बीते संसद के शीतकालीन सत्र में अहम बदलाव किए गए हैं। इन्हीं बदलावों की वजह से इसको लेकर विरोध हो रहा है। नए हिट एंड रन कानून की बात करें तो भारतीय न्याय संहिता यानी इठर की धारा 104 के तहत जो लापरवाही से मौत का कारण के लिए दंडात्मक कार्रवाई के लिए बाध्य है। आसान शब्दों में समझें तो वाहन चालक के तेज और लापरवाही से गाड़ी चलाने से मौत होती है और ड्राइवर पुलिस या मजिस्ट्रेट को सूचना दिए बिना भाग जाता है तो 10 साल तक सजा और 7 लाख रुपए का जुमार्ना देना होगा।

क्यों विरोध कर रहे ड्राइवर?

नए हिट एंड रन कानून को लेकर ड्राइवरों की चिंता का कारण है कि मौके पर रहना उनके लिए संभव नहीं है। क्योंकि मौके पर रहने में भीड़ के गुस्से का शिकार होने की संभावना ज्यादा होती है। लिहाजा ज्यादातर ड्राइवर वाहन छोड़कर या लेकर वहां से भाग जाते हैं। अब अगर ऐसे भागेंगे तो 10 वर्ष की सजा और 7 लाख का जुमार्ना दोनों ही उनके लिए मुश्किलें खड़ी कर देगा।

क्या है चालकों की मांग

वहीं ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अधिकारी की मानें तो हिट एंड रन मामलों में अचानक पेश किए गए कड़े प्रावधानों की वजह से चालकों में गुस्सा है। उनकी डिमांड है कि इन प्रावधानों को तुरंत वापस लिया जाए। बता दें कि मुंबई को आगरा से जोड़ने वाले नेशनल हाइवे पर धार और शाजापुर जिलों में वाहन चालकों ने लंबा चक्का जाम कर रखा है। इससे बड़ी संख्या में वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं।

अभी हड़ताल की घोषणा नहीं

भारतीय ट्रक ड्राइवर एसोसिएशन की ओर से वाहनों के चक्के रोक दिए गए हैं। चार दिन के लिए इन ड्राइवरों ने ट्रक चलाने से मना कर दिया है। लिहाजा इसका सीधा असर कई राज्यों औ? शहरों में देखने को मिल रहा है। वहीं ऑल इंडिया ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के अध्यक्ष अमृतलाल मदान की मानें तो फिलहाल ट्रांसपोर्टर्स ने स्ट्राइक का ऐलान नहीं किया है। इसका फैसला 2 जनवरी मंगलवार को दिल्ली में हो रही मीटिंग के बाद ही लिया जाएगा। फिलहाल वाहन चालक खुद वाहन छोड़कर अपना विरोध जता रहे हैं।

इससे पहले कानून में क्या था प्रावधान?

इससे पहले हिंट एंड रन कानून में आईपीसी की धारा 279, ड्राइवर की पहचान के 304ए और 338 (जान जोखिम में डालना) जैसी धाराओं के तहत केस दर्ज होता था। इसमें दो वर्ष की सजा का ही प्रावधान था। ऐसा तब था जब ड्राइवर बिना सूचना दिए भाग जाए।

सरकार ने क्यों किया बदलाव, क्या है नए हिट एंड रन कानून का मकसद?

केंद्र सरकार की ओर से हिंट एंड रन कानून में संशोधन करने के पीछे अहम वजह है हर वर्ष सड़क हादसों में हो रही बढ़ोतरी को रोकना। ऐसा देखने में आता है कि देशभर में हर वर्ष सबसे ज्यादा मौते सड़क हादसों में ही होती है। इनमें ट्रक की टक्कर या फिर तेज रफ्तार कारों से मौत के आंकड़े कहीं ज्यादा हैं। लिहाजा सरकार ने इस कानून में अहम बदलाव किया है।

बसों से लेकर अन्य एसेंशियल वाहनों के थमे चक्के

इस विरोध का असर स्कूली बसों से लेकर सब्जी औ? रोजमर्रा के सामानों यानी एसेंशियल चीजों के वाहनों के बंद पड़ने के रूप में भी देखा जा रहा है। अकेले मध्य प्रदेश में सवा लाख से ज्यादा स्कूल बसे हैं इनमें से ज्यादातर के पहिए थम गए हैं। वहीं स्कूल वैन से लेकर दूध और सब्जियों के ट्रक भी बंद पड़े हैं।

बस और ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल का दिखने लगा असर, पेट्रोल पंपों पर लगी लंबी लाइन

• नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्र सरकार के नए हिट एंड रन कानून के विरोध में देशभर में बस और ट्रक ड्राइवर हड़ताल चर रहे हैं। इसमें डंपर चालक भी शामिल हो गए हैं और देशभर में चक्का जाम कर दिया है। जिसका असर अब दिखने लगा है और देशभर में ट्रांसपोर्ट सिस्टम ठप हो गया। जिसके चलते पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी लाइन देखने को मिल रही हैं। बस और ट्रक ड्राइवरों का कहना है कि ये कानून गलत है जिसे सरकार को वापस लेना चाहिए। इस कानून के विरोध में देशभर में ट्रक और डंपर चालकों ने चक्का जाम करने की घोषणा की है। दिल्ली, यूपी, हरियाणा, पंजाब महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश ट्रक ड्राइवरों ने अपने-अपने ट्रक सड़कों पर खड़े कर दिए हैं और जाम लगा दिया है।

देशभर में दिख रहा हड़ताल का असर

ट्रक, टेंकर और डंपर चालकों की हड़ताल का असर देशभर में देखने को मिल रहा है। वाहन चालकों की हड़ताल के चलते ट्रांसपोर्ट सिस्टम ठप हो गया है। जिसके चलते पेट्रोल पंपों पर तेल की कमी होने लगी है। जिसके चलते पेट्रोल-पंपों पर वाहनों की लंबी लाइन देखने को मिल रही है। इसके साथ ही देश के कई राज्यों में सड़कों पर वाहनों की लंबी लाइन भी देखने को मिल रही है।

चारों महानगरों में तेल की कीमतें आज भी स्थिर

शहर	पेट्रोल	डीजल
दिल्ली	96.72	89.62
मुंबई	106.31	94.27
कोलकाता	106.03	92.76
चेन्नई	102.63	94.24

कहां-कहां हो रहा विरोध

देश के 10 से ज्यादा राज्यों में ट्रक ड्राइवरों ने इस नए हिट एंड रन कानून का विरोध शुरू कर दिया है। इनमें राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़, पंजाब, और उत्तराखंड प्रमुख रूप से शामिल हैं।

भारत में ट्रकों की स्थिति

95	100	80
लाख ट्रक देशभर में	अरब किलोमीटर की दूर हर वर्ष करते हैं तय	लाख से ज्यादा ट्रक ड्राइवर भारत में रजिस्टर्ड

दिल्ली से लेकर कश्मीर तक... सर्दी का सितम झेल रहे ये राज्य!

• नई दिल्ली, एजेंसी।

देशभर में सर्दी सितम ढा रही है। उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्से इस वक्त घने कोहरे की कैद में है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान से लगाकर ऊपर कश्मीर तक ठंड की मार पड़ रही है। आलम ये है कि, यहां रात का तापमान जीरो डिग्री से भी नीचे पहुंच गया है। जम्मू-कश्मीर की समर कैपिटल श्रीनगर में पारा माइनस 5.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, यहां तापमान में इस कदर गिरावाट के चलते डल लेक जमने लगी है। वहीं नलों और पाइप में पानी भी बर्फ बन गया है। हालांकि कश्मीर में जहां बीते दो दिनों से कोहरे से राहत मिली है, वहीं देश के अन्य हिस्से जैसे यूपी, बिहार, पंजाब, हरियाणा में कोहरे का कहर देखने को मिल रहा है। इसके साथ ही पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और यूपी के कई हिस्ले में शीतलहर का कहर

जारी है। बात अगर राजधानी दिल्ली की करें, तो सोमवार को तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। गौरतलब है कि, कश्मीर में चिल्ला-ए-कलां चल रहा है, जोकि कड़ाके की ठंड का समय है। इस बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए, डल लेक के पास ही रहने वाले एक युवक ने बताया कि, डल लेक का पानी जम चुका है, ऐसे में यहां से गुजरना मुश्किल हो गया है। सिर्फ इतना नहीं, बल्कि कश्मीर में सड़क के किनारे भी कई जगहों पर पानी जमा नजर आ रहा है। बता दें कि दिसंबर की तरह ही, नए साल का शुरूआती महीना शुष्क और बगैर बारिश के गुजरने के आसार हैं। वहीं इस मामले में मौसम विभाग के जानकारों का कहना है कि, पश्चिमी विक्षोभ की वजह से 4 से पांच जनवरी तक बादल छाए रह सकते हैं। वहीं विभाग ने बारिश होने की संभावना नहीं जताई है। मगर पहाड़ी इलाकों में हल्की बर्फबारी देखने को मिल सकती है।

बेजुबान की जुबान भी जानने वाला राम है, विवाद दूर करने के लिए संवाद जरूरी : इंद्रेश कुमार

- बेलगाम महत्वकांक्षाओं और अनैतिकता पर लगाम के लिए मर्यादा पुरषोत्तम की जरूरत: आरिफ मोहम्मद खान
- सनातन काल से ही है धर्म निरपेक्षता, एकता समरसता: आलोक कुमार

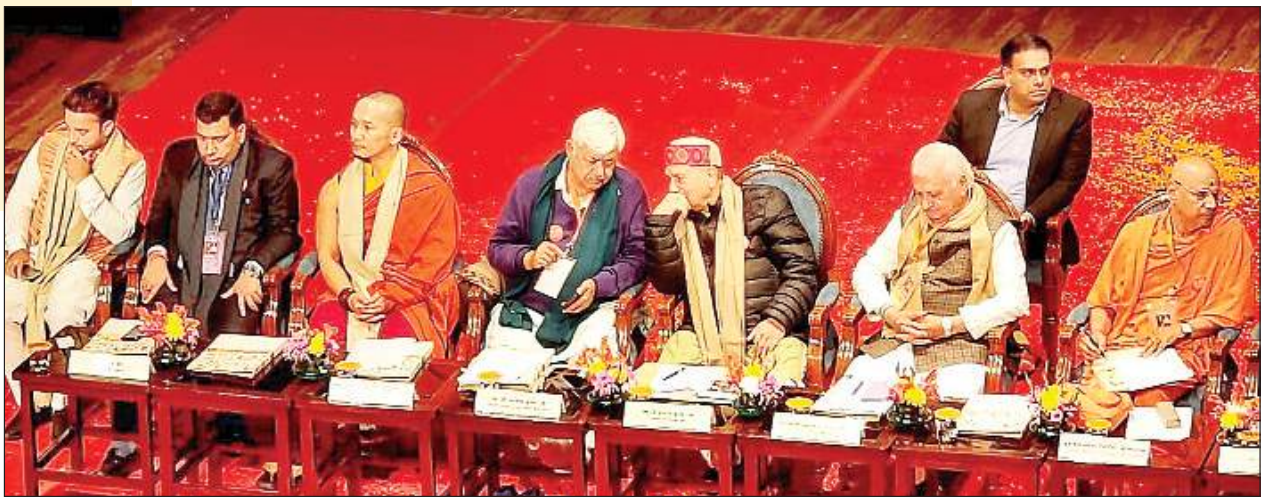

• दिल्ली ब्यूरो, राजनीतिक तरकस

संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार ने कहा है कि जो बेजुबान की जुबान भी जनता है वही राम है। साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि विवाद दूर करने के लिए संवाद जरूरी है। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने बिना इसराइल फिलिस्तीन रूस यूक्रेन और अन्य देशों के चल रहे झगड़े को खत्म करने के मामले में भारत के वेद पुराणों और रामायण के महत्व पर जोर देते हुए भगवान राम के महत्व को बताया।

दिल्ली आकाशवाणी का रंग भवन ऑडिटोरियम रविवार को ऐतिहासिक घटना का गवाह रहा। मौका था "राम मंदिर, राष्ट्र मंदिर - एक साझी विरासतः कुछ अनसुनी बातें" पुस्तक के विमोचन का जिसे गीता सिंह और आरिफ खान भारती ने मिलकर लिखा है। प्रस्तावना आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने लिखी है।

पुस्तक के विमोचन के अवसर पर केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, आरएसएस राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य एवं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मुख्य संरक्षक इंद्रेश कुमार, विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र (न्यास), अयोध्या के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, लद्दाक की पावन भूमि से बौद्ध धर्म से पोचे समेत अनेकों बुद्धिजीवी मौजूद रहे। इस मौके पर देश भर से आए मुस्लिम समुदाय ने शिरकत की।

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने किताब के विमोचन के बाद कहा कि इंसान एक महत्वकाशी प्राणी है जो अपनी ख्वाहिशों को पूरा करने के लिए अनैतिक हो जाता है। क्योंकि अगर ख्वाहिशों को आदर्श करने वाला कोई न हो अर्थात मर्यादित करने वाला कोई न हो तो महत्वकांक्षाएं बेलगाम हो जाती हैं। और इसीलिए मयार्दा पुरुषोत्तम राम की जरूरत हर तरफ है।

इस अवसर पर इंद्रेश कुमार ने कहा कि जो बेजुबान की भी जुबान जानता है वही खुदा है, वही परमेश्वर है, वही गॉड है, वही राम है। उन्होंने कहा कि यहां देश भर से आई जनता ने साबित कर दिया है कि हम एक थे, एक हैं और एक ही रहेंगे। इसीलिए सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा था कि हम सब का डीएनए एक है। इंद्रेश कुमार ने कहा कि जहां विवाद है वो सभी आगे आने वाले दिनों में संवाद से हल किए जा सकते हैं। इसके लिए सभी धर्मों को आगे आकर विचार करना होगा।

उन्होंने पुरानी बातों को याद करते हुए बताया कि 1998 में पांचवें सरसंघचालक केसी सुदर्शन ने इंद्रेश कुमार को बुला कर पूछा था कि मुस्लिमों के साथ हाल में संवाद हुआ था... वो कैसा रहा, उसका परिणाम क्या रहा? और फिर उसी वार्ता के आधार पर 24 दिसंबर 2002 में मौलाना वहीदुद्दीन और सरसंघचालक केसी सुदर्शन की मौजूदगी में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का गठन किया जिसकी साझी विरासत है।

इंद्रेश कुमार ने अपील करते हुए कहा कि 22 जनवरी 2024 को सुबह 11 बजे से दिन के 1 बजे तक जब अयोध्या में राम लला स्थापित किए जाएंगे उस दौरान दरगाहों, मदरसों, मकतबों, मस्जिदों में अपने अपने धर्मों के हिसाब से देश की उन्नति, प्रगति, सौहार्द के लिए इबादत करें। शाम को इन स्थानों पर चिराग रोशन किए जाने की अपील भी की है। राम लला की स्थापना के अवसर पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कार्यकर्ता 6 दिन से लेकर 15 दिनों तक पदयात्रा कर के अयोध्या पहुंचेंगे। क्योंकि मुस्लिमों का भी मानना है कि राम कण कण में हैं राम सब में हैं।

विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि इस पुस्तक की बहुत आवश्यकता थी क्योंकि जो किताब भी पहले राम जन्मभूमि के संबंध में आई वो लगती थीं कि दो समुदायों के बीच काफी वैमनस्य है। ऐसा लगता था जैसे मुस्लिमों के खिलाफ कोई साजिश हुई है। इसलिए इस किताब का बहुत अधिक महत्व है जो बताता है कि ऐसा कुछ भी नहीं है, केवल भ्रम की स्थिति पूर्व में फैलाई गई। मुसलमान और ईसाई के संबंध में भी सवाल करती है कि क्या राम जन्मभूमि का आंदोलन सिर्फ मुसलमानों के खिलाफ था?

उन्होंने महमूद गजनी के हवाले से बताया कि उसने भारत को लूटा.. बाबर और औरंगजेब जैसे लोगों को महत्व देना क्या साम्राज्यवादी ताकतों की नुमाइश नहीं थी? क्या हिंदुओं के मंदिर तोड़ कर मस्जिद बनाया जाना जायज था? और क्या ऐसे पूजा स्थल पूज्यनीय हो सकती है? आलोक कुमार ने देश की एकता समरसता के हवाले से कहा कि सनातन काल और हिंदू संस्कृति के समय से ही संविधान की धर्म निरपेक्षता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि अनेकों ऐसे मुद्दे हैं जिन पर चर्चा कर के एक निर्णय पर पहुंच कर भारत को एक भारत, श्रेष्ठ भारत बनाने के लिए हम सब आगे एकजुट होकर आगे बढ़ेंगे।

अयोध्या के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने राम के महत्व को समझते हुए कहा कि राम राष्ट्र पुरुष हैं क्योंकि राम सबसे प्रेम करते हैं और सम्पूर्ण राम राम से प्रेम करता है। उन्होंने हिंदू मुस्लिम ही नहीं संपूर्ण समुदायों जातियों की एकता को सर्वोपरि बताया। कार्यक्रम की शुरूवात में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस दौरान राम भजन की प्रस्तुति भी को गई। सीता राम पर हुई प्रस्तुतियों ने हर दिल को मोहने का भरपूर काम किया। प्रस्तुतियों में देश की एकता, अखंडता, सौहार्द को भलीभांति प्रदर्शित किया गया। इस दौरान राजा राम का राज्याभिषेक हुआ। राम, सीता और लक्ष्मण का ऑडिटोरियम में मौजूद हर किसी ने फूलों से भव्य स्वागत किया गया, हर कोई राम मय नजर आया। भगवान राम का सम्बन्ध सभी एशियाई महाद्वीपों से है। इंडोनेशिया, मलेशिया और कम्बोडिया का पूरा क्षेत्र रामायण से जुड़ा हुआ है। अखंड भारत के रचयिता और एक आदर्श सम्राट भगवान श्रीराम ने ही सर्वप्रथम भारत की सभी जातियों और संप्रदायों को एक सूत्र में बांधने का कार्य अपने 14 वर्ष के वनवास के दौरान किया था। भारत के अतिरिक्त नेपाल, लाओस, कंपूचिया, मलेशिया, कंबोडिया, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, भूटान, श्रीलंका, बाली, जावा, सुमात्रा और थाईलैंड आदि देशों की लोक-संस्कृति व ग्रंथों में आज भी राम इसीलिए जिंदा हैं।

लेखिका प्रो. गीता सिंह ने बताया कि पुस्तक में बहुत से अनसुनी कहानियां हैं। पुस्तक से बहुत से मिथ टूटेंगे। लोगों को समझ में आएगा कि संघ मुसलिम समाज में राष्ट्रवाद की भावना भरने में संघ किस संजीदगी से लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक लोगों का ज्ञानवर्धन करने के साथ उनकी समझ बढ़ाने में सार्थक सिद्ध होगी। दूसरे लेखक आरिफ खान भारती ने पुस्तक के बारे में अपने विचार रखे। जिसमें देश की मूलभावना वसुधैव कुटुंबकम पर जोर दिया जिसके पुरोधा थे मयार्दा पुरषोत्तम राम।

इस साल लॉन्च होंगी ये जबरदस्त कारें

नया साल आ चुका है.. साथ ही एक खुशखबरी भी आई है। दरअसल साल के शुरूआती महीने में भारतीय बाजार में 5 धांसू SUV कारें लॉन्च होने वाली है। ऐसे में चलिए इस खबर में जानें, 2024 के जनवरी महीने में किस कंपनी की ओर से किस सेगमेंट में किस तरह की गाड़ी लॉन्च होने वाली है। बता दें कि इस महीने लॉन्च होने वाली कारों में नई UV400 से लगाकर Hyundai Creta तक शामिल हैं, जिनमें कारों के अपडेट वर्जन और इलेक्ट्रिक वेरिएंट की जानकारी दी गई है...

1 XUV400 Facelift

महिंद्रा इस महीने अपनी मशहूर इलेक्ट्रिक एसयूवी XUV400 के नए फेसलिफ्ट मॉडल को लॉन्च कर सकती है। इसमें 10.25 इंच के नए इंफोटेंमेंट सिस्टम के अलावा कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे।

2 XUV300 Facelift

इस महीने महिंद्रा की एक और नई एसयूवी को अपडेट मिलेगा, कंपनी UV300 के फेसलिफ्ट मॉडल को बाजार में उजारा जाएगा। इंटीरियर में बदलाव के साथ ही इसमें पैनोरेमिक सनरूफ को जगह दी जा सकती है।

3 Mercedes-Benz GLS

तीसरे स्थान पर 2024 के जनवरी में जर्मन कार निमार्ता कंपनी मर्सिडीज बेंज अपनी GLS एसयूवी के फेसलिफ्ट मॉडल को इंडियन मार्केट में 8 जनवरी को लॉन्च कर सकती है। बता दें कि 9 गियर से लैस इस एसयूवी में 360-डिग्री कैमरा, नया इंफोटमेंट सिस्टम इत्यादि दिया जाएगा।

4 Kia Sonet facelift

इस साल के शुरूआती महीन में लॉन्च होने वाली ये कारों में Kia Sonet facelift का नाम भी शामिल हैं। बता दें कि कंपनी ने इस एसयूवी को कई बड़े अपडेट दिए हैं। इसमें लेवल-1 ADAS के साथ 10.25 इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है। हालांकि अब तक इसकी कीमतों का ऐलान नहीं किया गया है।

5 Hyundai Creta facelift

इस महीने की 16 तारीख को, हुंडई अपनी सेकंड जेनरेशन क्रेटा को नए अवतार को लॉन्च कर सकती है। इस SUV में 360-डिग्री कैमरा, ADAS, और कई एडवांस फीचर्स के साथ नए इंजन विकल्प दिए जाएंगे।

साप्ताहिक राशिफल

03 जनवरी से 09 जनवरी 2024

मेष

मेष राशि के जनवरी महीने का पहला सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको सप्ताह के पूर्वार्ध में ही आपको रोजी रोजगार से संबंधित कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस दौरान आपको आपकी मेहनत और किए गये प्रयास का पूरा फल मिलेगा। धनागम के योग बनेंगे। नौकरीपेशा लोगों की आय के अतिरिक्त स्रोत बनेंगे। कुछ समय से बीमार चल रहे थे तो इस सप्ताह स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

वृषभ

वृष राशि के जातक यदि इस सप्ताह अपनी ऊर्जा और समय का प्रबंधन करके चलते हैं तो उन्हें मनचाही सफलता मिल सकती है। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र में सभी को मिलाजुलाकर चलना उचित रहेगा। यदि आपसे भविष्य में कोई गलती हुई है या फिर आपके कारण कोई व्यक्ति नाराज चल रहा है तो आपको अपने काम और संबंध को दोबारा से बेहतर बनाने के पूरे मौके मिलेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह अपनी सेहत, सामान और संबंध तीनों का खूब ख्याल रखने की आवश्यकता रहेगी। साथ ही साथ अपनी दिनचर्या और खानपान का भी खूब ख्याल रखना होगा अन्यथा पेट से संबंधित दिक्कतें हो सकती हैं। इस सप्ताह मौसमी बीमारी के प्रति भी सचेत रहने की जरूरत बनी रहेगी। सप्ताह की शुरूआत में आपको अचानक से लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। कर्क राशि के जातकों को इस हफ्ते अपने किसी भी कार्य को जल्दबाजी या असमंजस में करने से बचना चाहिए अन्यथा बड़ी आर्थिक हानि होने की आशंका है। यदि आप भूमि-भवन को क्रय-विक्रय करने की योजना बना रहे हैं तो इससे संबंधित सभी कागज को सही से पढ़ने और सोच-समझकर कोई फैसला लें।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए जनवरी महीने का पहला सप्ताह गुडलक लिए हुए है। सप्ताह की शुरूआत में आपको किसी बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार की प्राप्ति हो सकती है। इस दौरान आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे। जिसके कारण आपके भीतर एक अलग ही उर्जा और आत्मविश्वास नजर आएगा। इस दौरान आपकी लोकप्रियता और पेशागत साख बढ़ेगी।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह की शुरूआत में आपको संतान से जुड़ी कोई बड़ी चिंता सकती है। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो आपको इस सप्ताह अपने छोटे से छोटे कार्य को पूरा करने के लिए ज्यादा परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको न सिर्फ अपने सहयोगी बल्कि अपने अधिकारी वर्ग की उपेक्षा झेलनी पड़ सकती है।

तुला

तुला राशि के जातकों की इस सप्ताह बात से बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ेगी। ऐसे में आपको लोगों के साथ बातचीत या कोई बड़ी डील करते हुए विनम्रता से बात-व्यवहार करना फायदेमंद साबित होगा तो वहीं इस सलाह की अनदेखी करने पर आपको बड़ा आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यक्षेत्र पर अपने जूनियर के साथ अच्छे ढंग से पेश आना चाहिए।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मनचाही सफलता मिलती हुई नजर आएगी। आपको घर और बाहर दोनों जगह लोगों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। यदि आप अपनी नौकरी में बदलाव की सोच रहे थे तो आपको इस सप्ताह कहीं अच्छी जगह से आफर आ सकता है। आपके कद एवं पद में वृद्धि के पूरे योग बन रहे हैं।

धनु

धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह कामकाज के सिलसिले में जरा ज्यादा ही भागदौड़ करनी पड़ सकती है। इस सप्ताह आपकी लंबी अथवा छोटी दूरी की कई यात्राएं हो सकती हैं। करियर, कारोबार और संबंधों की दृष्टि से ये यात्राएं अत्यंत ही शुभ साबित होंगी। आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिसके जरिए आपको भविष्य में लाभ की योजनाओं से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सकारात्मक और मनचाहे फल प्रदान करने वाला रहेगा। सप्ताह की शुरूआत में करियर-कारोबार के सिलसिले में आपको लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। भाग्य का पूरा सहयोग मिलने के कारण आपको न सिर्फ आपको अपने करियर-कारोबार में मनचाही सफलता बल्कि घर-परिवार में भी सुख-समृद्धि निरंतर वृद्धि होती हुई नजर आएगी।

कुंभ

कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपको अपनी लाइफ में किसी भी प्रकार का शार्टकट अपनाने से बचना चाहिए अन्यथा आपको उसके कारण बड़ी परेशानी झेलनी पड़ सकती है। सप्ताह की शुरूआत में कार्यों में आने वाली कुछेक अड़चनों के कारण आप थोड़े हताश और निराश हो सकते हैं, लेकिन यह स्थिति लंबे समय तक नहीं रहेगी।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आप पाएंगे कि आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे हो रहे हैं। खास बात कि किसी भी ख्वाहिश को पूरा करने में आपके सगे-संगी अपना पूरा समर्थन और सहयोग देते हुए नजर आएंगे। सप्ताह की शुरूआत में सुख-सुविधा से जुड़ी किसी प्रिय चीज की प्राप्ति से आपका मन बेहद खुश रहेगा। करियर-कारोबार में आपका ग्राफ चढ़ता हुआ नजर आएगा।

कड़ी सिक्योरिटी के बीच चोरी हुआ वॉर्नर का कीमती सामान, लौटाने वाले को दिया स्पेशल 'ऑफर'

• नई दिल्ली, एजेंसी।

ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर सिडनी में अपना आखिरी टेस्ट मैच खेलने उतरने वाले हैं। मगर, इससे पहले वॉर्नर का बैकपैक चोरी हो गया है।, जिसमें उनकी बैगी ग्रीन कैप भी थी। इसके बाद वॉर्नर ने अपने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर चोरी करने वाले शख्स से उनकी कैप लौटाने की अपील की है और साथ ही एक स्पेशल ऑफर भी दिया है कि लौटाने वाले व्यक्ति को वो कुछ नहीं करेंगे और उसे वैसा ही एक बैग दे देंगे।

डेविड वॉर्नर ने शेयर किया वीडियो

डेविड वॉर्नर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और अक्सर अपने फनी वीडियो से फैंस को इंटरटेन करते हैं। मगर, आज उन्होंने वीडियो किसी फन के लिए नहीं बल्कि अपने चोरी हुए सामान को वापस हासिल करने के लिए शेयर की है। इस वीडियो को शेयर करते हुए वॉर्नर ने लिखा, "बदकिस्मती से ऐसा करना मेरे पास आखिरी ऑप्शन है। किसी ने सामान से मेरा बैग निकाल लिया है, जिसमें मेरी कैप और मेरे बच्चों के लिए गिफ्ट थे। यह मेरे लिए इमोशनल है, यह कुछ ऐसा है जिसे मैं वापस पाना चाहता हूं। अगर ये वो बैकपैक है जो आप वास्तव में चाहते थे, तो मेरे पास यहां एक एक्स्ट्रा बैग है। यकीन मानिए यदि आप इसे लौटाते हैं, तो आप किसी परेशानी में नहीं पड़ेंगे। अगर आप मेरी कैप लौटा दें तो मुझे यह आपको ये देने में खुशी होगी।

वनडे से भी संन्यास ले चुके वॉर्नर

पाकिस्तान के साथ खेले जाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने सिडनी टेस्ट से पहले सभी को चौकाते हुए वनडे क्रिकेट से भी संन्यास का ऐलान कर दिया। जी हां, पहले ही टेस्ट से रिटायरमेंट की घोषणा कर चुके वॉर्नर सिडनी में अपना आखिरी टेस्ट खेलने वाले हैं। मगर, अब फैंस के लिए ये डबल झटके की तरह है कि अब वह वनडे क्रिकेट में भी नजर नहीं आएंगे।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला न्यूलैंड्स में

• नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला केपटाउन के न्यूलैंड्स में बुधवार 3 जनवरी से खेला जाएगा। साल 2024 में ये भारत का पहला मुकाबला होने वाला है। यदि केपटाउन टेस्ट में भारतीय टीम जीतती है, तो वह इतिहास रचने में सफल होगी। इस मैच को देखने के लिए आपको देर रात तक जागने की जरूरत नहीं पड़ने वाली है, क्योंकि मुकाबला भारतीय समयानुसार 10 या साढ़े दस बजे तक ही दिन का खेल चलेगा।

कहां खेला जाएगा मुकाबला?

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट मैच केपटाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैदान पर अब तक भारत ने कुल 6 मैच खेले हैं, जिसमें से 2 मैच ड्रॉ हुए हैं और 4 में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

कब होगा मुकाबला?

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा और आखिरी मैच 3 जनवरी से खेला जाएगा। भारतीय समयनुसार मुकाबले की शुरूआत दोपहर 2 बजे से होगी और रात 10 या साढ़े तक दिन खत्म हो जाएगा।

फ्री में कहां देख सकते हैं लाइव?

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच होने वाले केपटाउन टेस्ट को डिज्नी प्लस हॉस्टार के जरिए लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। आप मोबाइल पर इसकी लाइव स्ट्रीमिंग फ्री में देख सकते हैं।

कोरोना के मामले तेजी से बढ़े

जेएन.1 वैरिएंट के 200 केस सामने आए, 10 राज्यों में फैला

• नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत में कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। कोरोना के सब-वैरिएंट जेएन.1के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। सोमवार को जेएन.1 के मामले की कुल संख्या 196 पहुंच गई है। INSACOG के अनुसार, ओडिशा में नए वैरिएंट का पता चला है। इसके साथ ओडिशा भी अब उन राज्यों में शामिल हो चुका है, जहां जेएन.1 के मामले सामने आए हैं। अब तक जेएन.1 देश के दस राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल चुका है।

केरल में सबसे अधिक मामले सामने आए

भारतीय SARS-CoV-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (INSACOG) के मुताबिक, अब तक जेएन.1 के सबसे ज्यादा केरल से 83 मामले सामने आए हैं। गोवा में 51, गुजरात में 34, कर्नाटक में 8, महाराष्ट्र में 7, राजस्थान में 5, तमिलनाडु में 4, तेलंगाना में 2 और ओडिशा और दिल्ली में एक-एक केस सामने आया है। INSACOG के डेटा के अनुसार, दिसंबर में देशभर में दर्ज किए कुल कोरोना के मामलों में से 179 केस में जेएन.1 वेरिएंट पाया गया था, वहीं नवंबर में इसके 17 मामले सामने आए थे।

कोविड-19 के 636 नए केस सामने आए

स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि भारत में कोविड-19 के 636 नए केस सामने आए हैं। इसके साथ सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 4,394 हो चुकी है। कोरोना की वजह से अब तक तीन की मौत हो चुकी है। इसमें से मरने वालों में दो लोग केरल के थे, वहीं एक तमिलनाडु का था। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, बीते साल 5 दिसंबर तक कोरोना के मामलों की संख्या घटकर दोहरे अंक में आ गई। मगर जेएन.1 वेरिएंट की वजह से वायरस के मामलों में दोबारा बढ़ोतरी देखी गई। देश में जनवरी 2020 में कोविड-19 फैलने के बाद से अब तक 4.50 करोड़ (4,50,13,908) केस सामने आ चुके हैं। करीब चार वर्ष में वायरस की वजह से देश भर में 5.3 लाख से ज्यादा मौतें हुई हैं।

हिन्दी का राष्ट्रीय राजनैतिक साप्ताहिक
राजनीतिक तरकस
प्रचार है तो व्यापार है,
अपने व्यवसाय, राजनीति से जुड़ी
वार /त्यौहार/ जयंती/ पुण्यतिथि/ चुनावी अभियान का विज्ञापन
अब देश के लोकप्रिय हिंदी अखबार
एवं डिजिटल न्यूज़ पोर्टल
'राजनीतिक तरकस'
में दें।
जुड़े अपनों के साथ ऑनलाइन बुकिंग की अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
Email:tarkasnews@gmail.com Mob:9990170069
Website: www.neetiktarkas.in

पति निक जोनस के साथ प्रियंका चोपड़ा ने की ग्रैंड पार्टी, मां मधु चोपड़ा भी हुईं स्पॉट

बॉलीवुड स्टार्स ने 31 दिसंबर की रात को धूमधाम से जश्न मनाया था। ऐसे में भला ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा कैसे पीछे रह सकती हैं। प्रियंका चोपड़ा ने अपने परिवार के साथ नये साल का सेलिब्रेशन किया था। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। इनमें एक्ट्रेस अपने हैंडसम हंक पति निक जोनास के साथ न्यू ईयर सेलिब्रेट करते दिख रही हैं। साथ में उनकी मां मधु चोपड़ा का भी स्वैग देखने लायक है। फोटोज में प्रियंका चोपड़ा के ससुराल से उनके जेठ जी जो जोनास, केविन जोनास और डेनिएल जोनास भी शामिल थे। इंस्टाग्राम पर प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास के नए साल 2024 के जश्न की कुछ झलकियां मिली हैं। उन्होंने मेक्सिको के काबो में खूब धमाल मचाया और नए साल का जश्न एक साथ मनाया।

न्यू ईयर सेलिब्रेशन

कृति सेनन, वरुण धवन समेत इन सेलेब्स ने मिलकर किया साल 2024 का स्वागत

दुबई में एक ग्लैमरस साल के आखिरी जश्न मनाया गया, जिसमें कृति सेनन, नूपुर सेनन, एमएस धोनी और उनकी पत्नी साक्षी धोनी, गायक स्टेबिन बेन, वरुण धवन और अन्य मेहमान शामिल हुए। सितारों से सजे जश्न की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। वरुण धवन ने अब एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें उनकी पत्नी नताशा दलाल, कृति सनोन, महेश बाबू और दुबई से नम्रता शिरोडकर के साथ एक सेल्फी शामिल है। वरुण धवन, नताशा दलाल, कृति सेनन और नम्रता शिरोडकर ने महेश बाबू के साथ सेल्फी ली।

आतिशबाजी के साथ नए साल 2024 का स्वागत किया

वरुण धवन और नताशा दलाल ने आतिशबाजी के साथ नए साल 2024 का स्वागत किया। कल रात, वरुण धवन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपना और आतिशबाजी का एक वीडियो शेयर किया और अपनी पत्नी के साथ नए साल का जश्न मनाते हुए कैटी पेरी का फायरवर्क गाना जोड़ा। अपने कैप्शन में उन्होंने लिखा, अलविदा मत कहो हाय कहो, हैप्पी न्यू ईयर, 2024।

सुपरकूल लुक में करीना ने मनाया नया साल, पति सैफ बने डीजे

बॉलीवुड ने धूमधाम से कल 1 जनवरी को नये साल का स्वागत किया है। सोशल मीडिया अकाउंट सेलेब्स के न्यू ईयर सेलिब्रेशन और वेकेशन फोटोज वायरल हैं। साथ ही स्टार्स ने अपने चहेते फैंस को नए साल की हार्दिक शुभकामनाओं से दिन बना दिया था। इसी तरह, बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान ने अपने पति-अभिनेता सैफ अली खान के साथ एक रोमांटिक तस्वीर साझा की और नए साल की शुभकामनाएं दीं। फोटो में करीना काफी स्वैग में दिख रही हैं। वहीं सैफ भी किसी शहजादे से कम नहीं लग रहे हैं।

2024 में ही बजेगी रकुल प्रीत और जैकी भगनानी की शादी की शहनाई?

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी, जो अब तीन साल से डेटिंग कर रहे हैं, इस साल शादी के बंधन में बंधने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यदि आप एक उत्साही सोशल मीडिया उपयोगकर्ता हैं, तो आपने जोड़े की शादी के बारे में रुझान अवश्य देखे होंगे। कथित तौर पर, वे फरवरी में गोवा में गुपचुप तरीके से शादी कर रहे हैं। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि शादी समारोह 22 फरवरी को होगा और इसमें उनके करीबी दोस्त और परिवार मौजूद होंगे। हाल ही में, यारियां अभिनेता ने एक हार्दिक नोट लिखा और अपने प्रेमी को उसके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं।